ागीत बोध

रच्चन्द्र श्रीधर परांजपे

यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय 1 : संगीत की परिभाषा 1

संगीत क्या है ?—संगीत और गांधर्व—मार्ग और देशी—उत्तर भारतीय तथा दाक्षिणात्य संगीत—उत्तर तथा दक्षिण में सामंजस्य—सारांश ।

अध्याय 2 : संगीत का उद्गम एवं विकास 11

संगीत एवं संस्कृति—संस्कृत ग्रन्थों में संगीतधारा (सा) ई० पूर्व० से ई० 7वीं शताब्दी तक—(रि) ई० 7वीं शताब्दी से ई० 13वीं शताब्दी तक—(ग) ई० 13वीं सदी से अब तक—सारांश ।

अध्याय 3 : स्वर तथा सप्तक 22

स्वर व्याख्या—स्वर एवं श्रुति—शुद्ध एवं विकृत—स्वर, ग्राम और मूर्च्छना—मूर्च्छना प्रकार—तान प्रकार—सारणा—भरत की सारणा—तार की लम्बाई पर स्वर स्थापना—ध्वनि-निर्माण की प्रक्रिया—नाद और कोलाहल—नाद की विशेषताएँ—संगीत का सप्तक—डायटोनिक एवं क्रोमेटिक स्केल—टेम्पर्ड स्केल—भारतीय सप्तक का विकास—सारांश ।

अध्याय 4 : राग 53

हारमनी और मेलडी—जाति तथा राग—जाति तथा जातिराग—जाति के लक्षण—राग लक्षण—भाषा, विभाषा एवं अंतर्भाषा—पं० शार्ङ्गदेव का राग वर्गीकरण—राग-रागिनी वर्गीकरण—मेलराग वर्गीकरण—राग-रागांग वर्गीकरण—शुद्ध राग, छायालग राग, संकीर्ण राग—रागरूप एवं राग-चित्र—सारांश ।

Scanned by TapScanner

अध्याय 5 : **ताल** 72

भारतीय संगीत में ताल परम्परा—मात्रा एवं काल ——मात्रा की कालावधि——त्रिविध मार्ग——लय एवं यति——प्राचीन एवं आधुनिक ताल——ताल की जातियाँ—दाक्षिणात्य ताल-पद्धति——उत्तर की ताल-पद्धति——भारतीय तालवाद्य——मृदंग——माजंना के प्रकार——तबला—पाश्चात्य संगीत के ताल—भारतीय तथा पाश्चात्य ताल——ताल संबंधी पारिभाषिक शब्द——बाज एवं उसके प्रकार——अप्रचलित तालरूप——सारांश ।

अध्याय 6 : **प्रबंध** 109

प्रबंध का विकास—ध्रुवपद——रचना एवं शैली——बानियाँ——ध्रुवपद की गायकी—ध्रूवपद की परंपरा ——धमार———ख्याल——ठुमरी———टप्पा———गजल—— स्वर-सागर — रागमालिका —पद्म —कीर्तनम्— कृति — वर्णम — जावलि — तिल्लाना — तालमालिका——सारांश ।

अध्याय 7 : **वाद्य** 132

वाद्यों का विकास एवं परंपरा——चतुर्विध वाद्य— वाद्यों की उत्क्रांति—वैदिक युग के वाद्य—भरतकालीन वाद्य——मध्ययुगीन तंतुवाद्य——प्रचलित भारतीय वाद्य— वीणा—सरस्वती वीणा——सितार ——सुरबहार———सुरसिंगार——सुरबीन अथवा गोट्टुवाद्यम्——दिलरुबा—इसराज —— रबाब —सरोद—— स्वरमण्डल —— सारंगी —वायलिन—गिटार—सुरसागर—तानपुरा—वंशी —शहनाई— जलतरंग— तंतु वाद्यों की पारिभाषिक शब्दावली—सारांश ।

अध्याय 8 : **नृत्य** 166

नृत्य का उद्भव एवं प्राचीनता——वैदिक तथा पौराणिक युग में नृत्य——संस्कृत ग्रन्थों में नृत्य-

Scanned by TapScanner

परंपरा--नृत्य की शैलियाँ--भरतनाट्यम्--कथकली--कथक--कथक के घराने--मणिपुरी--नृत्य की पारिभाषिक शब्दावली--सारांश।

अध्याय 9 : संगीत में घराना 180

घराना क्या है?--घरानों की पृष्ठभूमि--संगीत में व्यक्तित्व--ख्याल गायकी के घराने--दिल्ली घराना--लखनऊ घराना--ग्वालियर घराना--पटियाला घराना--आगरा घराना--जयपुर घराना--किराना घराना--सारांश।

अनुबंध 1 : ख्याल घरानों की शिष्य-परंपरा 195

अनुबंध 2 : (सा) घरानों की प्रातिनिधिक चीजें 204

(रि) उत्तर की प्रमुख प्रबंध-शैलियों के गीत 210

अनुबंध 3 : संगीत कोश 217

अनुबंध 4 चित्रावली 230

Scanned by TapScanner